"तुम मुझे ढूंढोगे और पाओगे भी; क्योंकि तुम अपने सम्पूर्ण मन से मेरे पास आओगे."

परमेश्वर को कैसे जाने

परमेश्वर को कैसे जानें?

जिस प्रकार अब्राहम अपने समर्पण और विश्वासयोग्यता के द्वारा '**परमेश्वर का एक दोस्त**' था, उसी प्रकार आप भी परमेश्वर को जान सकते हैं, उसकी दया, शांति और आशीषों का अनुभव कर सकते हैं. जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण अनुभव है परमेश्वर को सच्चे समर्पण के साथ जानना. परमेश्वर ने अद्‌भुत रीति से स्वयं को उनके सामने प्रकट किया जो सच्चे दिल से उसकी खोज करते हैं.

यदि आप अपने रास्ते से मुड़कर सच्चे समर्पण के साथ अपने आपको परमेश्वर को सौंपते हैं, उसकी आत्मा आपमें वास करेगी. जिस तरह आप उसके वायदों पर भरोसा रखकर इमानदारी के साथ उसका अनुसरण करते हैं, उसके प्यार से आपको कोई भी अलग नहीं कर सकता. वह आपका परमेश्वर होगा और आप उसके अधिकृत खजाने होंगे. आप यह प्रकट करेंगे कि उसने एक बड़ी किमत देकर आपको खरीदा है और वह आपके साथ सहभागिता रखना चाहता है - आज और अनन्तता के लिए.

जैसे जैसे आप परमेश्वर के वचनों के इन अंशों को पढ़ेंगे, इसे समझने के लिए आप परमेश्वर से प्रार्थना कीजिए. परमेश्वर ने इन वचनों को लिखने के लिए भक्तों को प्रेरित किया. इन वचनों को मिटा देने के लिये शैतान के सारे प्रयास के बावजूद परमेश्वर ने इन्हें पीढ़ियों से अद्‌भुत रीति से बचाये रखा है.

इस लघु-पुस्तिका के समस्त संदर्भों को बाइबल में से लिया गया है: विधि (तोरह), भजन (ज़बूर), भविष्यद्वक्ताओं के लेख और सुसमाचार (इंजिल).

All scriptures are taken from the Hindi Bible with permission from the Bible Society of India.

केवल एक ही सच्चा परमेश्वर है

''..........यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक ही हैः तू अपने परमेश्वर यहोवा से अपने सारे मन, और सारे जीव, और सारी शक्ति के साथ प्रेम रखना।'' - व्यवस्थाविवरण 6:4,5

''क्योंकि यहोवा जो आकाश का सृजनहार है, वही परमेश्वर हैः उसी ने पृथ्वी को रचा और बनाया, उसी ने उसको स्थिर भी कियाः उस ने उसे सुनसान रहने के लिये नहीं परन्तु बसने के लिये रचा है। वही यों कहता है, मैं यहोवा हूं, मेरे सिवा दूसरा और कोई नहीं है।'' - यशायाह 45:18

''और इस से पृथ्वी की सब जातियां यह जान लें, कि यहोवा ही परमेश्वर हैः और कोई दूसरा नहीं।'' - 1 राजा 8:60

''मैं यहोवा हूं, मेरा नाम यही हैः अपनी महिमा मैं दूसरे को न दूंगा ....'' - यशायाह 42:8

''यहोवा की वाणी है कि तुम मेरे साक्षी हो और मेरे दास हो, जिन्हें मैं ने इसलिये चुना है कि समझकर मेरी प्रतीति करो और यह जान लो कि मैं वही हूं, मुझ से पहिले कोई ईश्वर न हुआ और न मेरे बाद भी कोई होगा, मैं ही यहोवा हूं और मुझे छोड़ कोई उद्धारकर्त्ता नहीं।'' - यशायाह 43:10,11

''हे पृथ्वी के दूर दूर के देश के रहनेवालो, तुम मेरी ओर फिरो और उद्धार पाओ! क्योंकि मैं ही ईश्वर हूं और दूसरा कोई और नहीं है।'' - यशायाह 45:22

परमेश्वर दयालु व कृपालु है

''यहोवा दयालु और अनुग्रहकारी, विलम्ब से कोप करनेवाला और अति करुणामय है, जैसे आकाश पृथ्वी के ऊपर ऊंचा है, वैसे ही उसकी करुणा उसके डरवैयों के ऊपर प्रबल है।''

- भजन संहिता 103:8,11

''परन्तु यहोवा की करुणा उसके डरवैयों पर युग युग......और उसके उपदेशों को स्मरण करके उन पर चलते है।'' - भजन संहित 103:17,18

''हम मिट नहीं गएः यह यहोवा की महाकरुणा का फल है, क्योंकि उसकी दया अमर है, प्रति भोर वह नई होती रहती हैः तेरी सच्चाई महान है।''

- विलापगीत 3:22,23

''चाहे वह दुःख भी दे, तौ भी अपनी करुणा की बहुतायत के कारण वह दया भी करता है।''

- विलापगीत 3:32

''दयावन्त के साथ तू अपने को दयावन्त दिखाताः और खरे पुरुष के साथ तू अपने को खरा दिखाता है।'' - भजन संहिता 18:25

''......क्योंकि मैं जानता था कि तू अनुग्रहकारी और दयालु परमेश्वर है, और विलम्ब से कोप करनेवाला करुणानिधान है,और दुःख देने से प्रसन्न नहीं होता।'' - योना 4:2

''यहोवा ने मुझे दूर से दर्शन देकर कहा है, मैं तुझ से सदा प्रेम रखता आया हूं: इस कारण मैं ने तुझ पर अपनी करुणा बनाये रखी है।'' - यिर्मयाह 31:3

''क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूं उन्हें मैं जानता हूं, वे हानि की नहीं, वरन कुशल ही की है, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा।'' - यिर्मयाह 29:11

''यहोवा यह कहता है, मैं ने तुम से प्रेम किया है.........'' - मलाकी 1:2

''जैसे पिता अपने बालकों पर दया करता है, वैसे ही यहोवा अपने डरवैयों पर दया करता है।'' - भजन संहिता 103:13

''देख, शांति ही के लिये मुझे बड़ी कडुआहट मिली: परन्तु ने स्नेह करके मुझे विनाश के गड़हे से निकाला है, क्योंकि मेरे सब पापों को तू ने अपनी पीठ के पीछे फेंक दिया है।'' - यशायाह 38:17

''और जो प्रेम परमेश्वर हम से रखता है, उस को हम जान गए......हम इसलिये प्रेम करते है, कि पहिले उसने हम से प्रेम किया।'' - यहून्ना 4:16,19

''तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे बीच में है, वह उद्धार करने में पराक्रमी है: वह तेरे कारण आनन्द से मगन होगा, वह अपने प्रेम के मारे चुपका रहेगा: फिर ऊंचे स्वर से गाता हुआ तेरे कारण मगन होगा।'' - सपन्याह 3:17

''हे परमेश्वर तेरी करुणा कैसी अनमोल है!........'' - भजन संहिता 36:7

जीवन का महत्वपूर्ण अंग है परमेश्व को जानना

‘‘......परन्तु जो लोग अपने परमेश्वर का ज्ञान रखेंगे, वे हियाव बान्धकर बड़े काम करेंगे।’’

- दानिय्येल 11:32

‘‘परन्तु जो घमण्ड करे वह इसी बात पर घमण्ड करे, कि वह मुझे जानता और समझता है, कि मैं ही वह यहोवा हूं, जो पृथ्वी पर करुणा, न्याय और धर्म के काम करता है, क्योंकि मैं ’इन्हीं बातों से प्रसन्न रहता हूं।’’ - यिर्मयाह 9:24

‘‘क्या ही धन्य है वे जो उसकी चितौनियों को मानते है, और पूर्ण मन से उसके पास आते है।’’

- भजन संहिता 119:2

‘‘........मैं ने जीवन और मरण, आशीष और शाप को तुम्हारे आगे रखा हैः इसलिये तू जीवन ही को अपना ले, कि तू और तेरा वंश दोनों जीवित रहेंः इसलिये अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम करो, और उसकी बात मानो, और उस से लिपटे रहोः क्योंकि तेरा जीवन और दीर्घ जीवन यही है.......’’

- व्यवस्थाविवरण 30:19,20

‘‘क्योंकि मैं बलिदान से नहीं, स्थिर प्रेम ही से प्रसन्न होता हूं, और होमबलियों से अधिक यह चाहता हूं कि लोग परमेश्वर का ज्ञान रखें।’’ - होशे 6:6

‘‘जैसे हरिणी नदी के जल के लिये हांफती है, वैसे ही हे परमेश्वर, मैं तेरे लिये हांफता हूं।’’

- भजन संहिता 42:1

‘‘यहोवा ने कहा, मैं आप चलूंगा और तुझे विश्राम दूंगा।’’ - निर्गमन 33:14

''........जब तक तुम यहोवा के संग रहोगे तब तक वह तुम्हारे संग रहेगाः और यदि तुम उसकी खोज में लगे रहो, तब तो वह तुम से मिला करेगा, परन्तु यदि तुम उसको त्याग दोगे तो वह भी तुम को त्याग देगा।'' - 2 इतिहास 15:2

''मन तो सब वस्तुओं से अधिक धोखा देनेवाला होता है, उस में असाध्य रोग लगा हैः उसका भेद कौन समझ सकता है?'' - यिर्मयाह 17:9

''ऐसा भी मार्ग है, जो मनुष्य को सीधा देख पढ़ता है परन्तु उसके अन्त में मृत्यु ही मिलती है।'' - नीतिवचन 16:25

''क्योंकि जब परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों को जिन्हों ने पाप किया नहीं छोड़ा, पर नरक में भेजकर अन्धेरे कुण्डों में डाल दिया, ताकि न्याय के दिन तक बन्दी रहे। तो प्रभ भक्तों को परीक्षा में से निकाल लेना और अधर्मियों को न्याय के दिन तक दण्ड की दशा में रखना भी जानता है।'' - 2 पतरस 2:4,9

''परन्तु यदि तुम यहोवा की बात न मानो, और यहोवा की आज्ञा को टालकर उस से बलवा करो, तो यहोवा का हाथ जैसे तुम्हारे पित्रों के विरुद्ध हुआ वैसे ही तुम्हारे भी विरुद्ध उठेगा।'' - 1 शमूएल 12:15

''यदि कोई मुझ में बना न रहे, तो वह उस डाली की नाई फेंक दिया जाता, और सूख जाता हैः और लोग उन्हें बटोरकर आग में झोंक देते है, और वे जल जाती है।'' - यूहन्ना 15:6

''परन्तु अपराधी एक साथ सत्यानाश किए जाएंगेः दुष्टों का अन्तफल सर्वनाश है।'' - भजन संहिता 37:38

परमेश्वर को जानने के लिये हमें उसे खोजना होगा

‘‘तुम मुझे ढूंढ़ोंगे और पाओगे भीः क्योंकि तुम अपने सम्पूर्ण मन से मेरे पास आओगे।’’

- यिर्मयाह 29ः13

‘‘और उसको चान्दी की नाई ढूंढ़े और गुप्त धन के समान उसकी खोज में लगा रहेः तो तू यहोवा के भय को समझेगा, और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा।’’ - नीतिवचन 2ः4,5

‘‘मांगों, तो तुम्हें दिया जाएगाः ढूढ़ो, तो तुम पाओगेः खटखटाओ, तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा।’’ - मत्ती 7ः7

‘‘और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह हैः और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।’’ - इब्रानियों 11ः6

‘‘जो मुझ से प्रेम रखते है, उन से मैं भी प्रेम रखती हूं और जो मुझे यत्न से तड़के उठकर खोज़ते हैं वे मुझे पाते है।’’ - नीतिवचन 8ः17

‘‘जो यहोवा की बाट जोहते और उसके पास जाते है, उनके लिये यहोवा भला है।’’

- विलापगीत 3ः25

‘‘उस ने एक ही मूल से मनुष्यों की सब जातियां सारी पृथ्वी पर रहने के लिये बनाई हैः......कि वे परमेश्वर को ढूढ़े, कदाचित उसे टटोलकर पा जाएं तौ भी वह हम में से किसी से दूर नहीं!’’

- प्रेरितों के काम 17ः26,27

‘‘परन्तु मैं तो ईश्वर ही को खोजता रहुंगा और अपना मुकाद्दमा परमेश्वर पर छोड़ दूंगा।’’

- अय्यूब 5ः8

‘‘.....और वे इस देश में लौट सकेंगे क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा अनुग्रहकारी और दयालु है, और यदि तुम उसकी ओर फिरोंगे तो वह अपना मुह तुम से न मोड़ेगा।’’ - 2 इतिहास 30:9

‘‘क्योंकि हे प्रभु, तू भला और क्षमा करनेवाला है, और जितने तुझे पुकारते है उन सभों के लिये तू अति करुणामय है।’’ - भजन संहिता 86:5

‘‘परमेश्वर के निकट आओ, तो वह भी तुम्हारे निकट आएगा.....’’ - याकूब 4:8

‘‘जितने यहोवा को पुकारते है, अर्थात् जितने उसको सच्चाई से पुकारते है, उन सभों के वह निकट रहता है।’’ - भजन संहिता 145:18

‘‘यहोवा कहता है, आओ, हम आपस में वादविवाद करेंः तुम्हारे पाप चाहे लाल रङ्ग के हो, तौ भी वे हिम की नाई उजले हो जाएंगेः और चाहे अर्गवानी रङ्ग के हों, तौ भी वे ऊन के समान श्वेत हो जाएंगे।’’ - यशायाह 1:18

‘‘हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओः मैं तुम्हें विश्राम दूंगा, मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लोः और मुझ से सीखोः क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूंः और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे।’’ - मत्ती 11:28,29

‘‘......और जो कोई मेरे पास आएगा, उस मैं कभी न निकालूंगा।’’ - यूहन्ना 6:37

‘‘अहो सब प्यासे लोगो, पानी के पास आओः और जिनके पास रूपया न हो, तुम भी आकर मोल लो और खाओ! दाखमधु और दूध बिन रूपए और बिना दाम ही आकर ले लो।’’ -यशायाह 55:1

परमेश्वर पवित्र है

''हे यहोवा, देवताओं में तेरे तुल्य कौन है?........और आश्चर्य कर्म का कर्त्ता है।''
- निर्गमन 15:11

''यहोवा के तुल्य कोई पवित्र नहीं, क्योंकि तुम को छोड़ और कोई है ही नहीं....'' - 1शमूएल 2:2

''...यह सम्भव नहीं कि ईश्वर दुष्टता का काम करे, और सर्वशक्तिमान बुराई करे।''- अय्यूब 34:10

''..........सेनाओं का यहोवा पवित्र, पवित्र, पवित्र हैः सारी पृथ्वी उसके तेज से भरपूर है.''
- यशायाह 6:3

''क्योंकि जो महान और उत्तम और सदैव स्थिर रहता, और जिसका नाम पवित्र है, वह यों कहता है, मैं ऊंचे पर और पवित्र स्थान में निवास करता हूं.......'' - यशायाह 57:15

''कोई उत्तम नहीं, केवल एक अर्थात् परमेश्वर।''
- मरकुस 10:1

''हे प्रभु, कौन तुझ से न डरेगा? और तेरे नाम व महिमा न करेगा? क्योंकि केवल तू ही पवित्र है.........'' - प्रकाशितवाक्य 15:4

''वे तेरे महान और भययोग्य नाम का धन्यवाद करें! वह तो पवित्र है!'' - भजन संहिता 99:3

''हमारे परमेश्वर यहोवा को सराहो, और उस पवित्र पर्वत पर दण्डवत् करोः क्योंकि हमारापरमेश्वर यहोवा पवित्र है!'' - भजन संहिता 99:9

''........कि पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान, जो था, और जो है, और जो अनेवाला है।'' - प्रकाशितवाक्य 4:8

''तुझे विश्वास है कि एक ही परमेश्वर हैः तू अच्छा करता हैः दुष्टात्मा भी विश्वास रखते, और थरथराते है, पर हे निकम्मे मनुष्य क्या तू यह भी नहीं जानता, कि कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है, परन्तु वचन पर चलने वाले बनो, और केवल सुननेवाले ही नहीं जो अपने आप को धोखा देते है।''
- याकूब 2:19,20, 1:22

''दुष्ट के चालचलन से यहोवा को घृणा आती है, परन्तु जो धर्म का पीछा करता उस से वह प्रेम रखता है।'' - नीतिवचन 15:9

''जो कोई यह कहता है, कि मैं उसे जान गया हूं, और उस की आज्ञाओं को नहीं मानता, वह झूठा हैः और उस में सत्य नहीं है। इसी से परमेश्वर की सन्तान, और शैतान की सन्तान जाने जाते हैः जो कोई धर्म के काम नहीं करता, वह परमेश्वर से नहीं, न वह, जो अपने भाई से प्रेम नहीं रखता।'' -1 यूहन्ना 2:4, 3:10

''सब से मेल मिलाप रखने, और उस पवित्रता के खोजी हो जिस के बिना कोई प्रभु को कदापि न देखेगा।'' - इब्रानियों 12:14

''पर जैसा तुम्हारा बुलानेवाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चालचलन में पवित्र बनो।''
- 1 पतरस 1:15

''हे लोगो, बराई को नहीं, भलाई को ढूंढ़ो, ताकि तुम जीवित रहो......सेनाओं का परमेश्वर यहोवा तुम्हारे संग है.'' -आमोस 5:14

''....और उसके पवित्र स्थान में कौन खड़ा हो सकता है?......जिसके काम निर्दोष और हृदय शुद्ध है.....'' - भजन संहिता 24:3,4

''....और यहोवा तुम से इसे छोड़ और क्या चाहता है, कि तू न्याय से काम करे, और कृपा से प्रीति रखें, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चले?'' - मीका 6:8

''...कि तुम पवित्र बने रहोः क्योंकि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा पवित्र हूं।'' - लैव्यव्यवस्था 19:2

''......तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने प्राण और पनी सारी शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रखः और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।'' - लूका 10:27

''तू आज्ञाओं को तो जानता हैः हत्या करना, झूठी गवाही न देना, छल न करना, अपने पिता और अपनी माता का आदर करना।'' - मरकुस 10:19

''और इस संसार के सदृश न बनोः परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नए हो जाने से तुम्हारा चाल - चलन भी बदलता जाए.......'' - रोमियों 12:2

''व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे चित्त से कभी न उतरने पाए, इसी में दिन रात ध्यान दिए रहना, इसलिये कि जो कुछ उस में लिखा है उसके अनुसार करने की तू चौकसी करेः क्योंकि ऐसा ही करने से तेरे सब काम सुफल होंगे, और तू प्रभावशाली होगा।''

- यहोशू 1:8

''........कि परमेश्वर पर विश्वास रखो।''

- मरकुस 11:22

''और तुम अपने परमेश्वर यहोवा की उपासना करना.......'' - निर्गमन 23:25

‘‘छः वस्तुओं से यहोवा बैर रखता है, वरन सात है जिन से उसको घृणा हैः अर्थात् घमण्ड से चढ़ी हुई आंखें, झूठ बोलनेवाली जीभ, और निर्दोष का लोहू बहानेवाले हाथ, अनर्थ कल्पना गढ़नेवाला मन, बुराई करने को वेग दौड़ने वाले पांव, झूठ बोलनेवाला साक्षी और भाईयों के बीच में झगड़ा उत्पन्न करनेवाला मनुष्य।’’ - नीतिवचन 6ः16,19

‘‘क्योंकि, मैं यहोवा न्याय से प्रीति रखता हूं, मैं अन्याय और डकैती से घृणा करता हूं........’’

- यशायाह 61ः8

‘‘पर डरपोकों, और अविश्वासियों, और धिनौनों, और हत्यारों और व्यभिचारियों, और टोन्हों, और मूर्तिपूजकों, और सब झूठों का भाग उस झील में मिलेगा, जो आग व गन्धक से जलती रहती हैः यह दूसरी मृत्यु है,’’ - प्रकाशितवाक्य 21ः8

‘‘.......इसलिये तुम अपनी आत्मा के विषय में चौकस रहो, और तुम में से कोई अपनी जवानी की स्त्री से विश्वासघात न करे। क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा कहता है, कि मैं स्त्री - त्याग से घृणा करता हूं.......’’ - मलाकी 2ः15,16

‘‘और अपने अपने मन में एक दूसरे की हानि की कल्पना न करना, और झूठी शपथ से प्रीति न रखना, क्योंकि इन सब कामों से मैं घृणा करता हूंः यहोवा की यही वाणी है।’’ -जर्कयाह 8ः17

‘‘...तुम तो मनुष्यों के साम्हने अपने आप को धर्मी ठहराते होः परन्तु परमेश्वर तुम्हारे मन को जानता है, क्योंकि जो वस्तु मनुष्यों की दृष्टि में महान है, वह परमेश्वर के निकट घृणित है।’’ - लूका 16ः15

लोग परमेश्वर की आज्ञाओं को पूरा न कर पाये

‘‘परन्तु मैं तुम्हें जानता हूं, कि तुम में परमेश्वर का प्रेम नहीं।’’ - यूहन्ना 5:42

‘‘क्योंकि जो कोई सारी व्यवस्था का पालन करता है परन्तु एक ही बात में चूक जाए तो वह सब बातों में दोषी ठहरा।’’ - याकूब 2:10

‘‘तब मैं ने कहा, हाय!हाय! मैं नाश हुआः क्योंकि मैं अशुद्ध होंठवाला मनुष्य हूं, और अशुद्ध होंठवाले मनुष्यों के बीच में रहता हूंः क्योंकि मैं ने सेनाओं के यहोवा महाराजाधिराज को अपनी आंखों से देखा है।’’ - पशायाह 6:5

‘‘इसलिये जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता, उसके लिये यह पाप है।’’ - याकूब 4:17

‘‘जैसा लिखा है, कि कोई धर्मी नहीं, एक भी नहीं।’’ - रोमियों 3:10

‘‘इसलिये कि सब ने पाप किया है और परमेस्वर की महिमा से रहित है।’’ - रोमियों 3:23

‘‘........जो कोई धर्म के काम नहीं करता, वह परमेश्वर से नहीं, और न वह, जो अपने भाई से प्रेम नहीं रखता।’’ - 1 यूहन्ना 3:10

‘‘हम तो सब भेड़ों की नाई भटक गए थेः हम में से हर एक ने अपना अपना मार्ग लिया.........’’ - यशायाह 53:6

‘‘....इस पवित्र परमेश्वर यहोवा के साम्हने कौन खड़ा रह सकता है?....’’ - 1 शमूएल 6:20

‘‘क्योंकि मैं उन की गवाही देता हूं, कि उन को परमेश्वर के लिये धुन रहती है, परन्तु बुद्धिमानी के साथ नहीं, क्योंकि वे परमेश्वर की धार्मिकता से अनजान होकर, और अपनी धार्मिकता स्थापन करने का यत्न करके, परमेश्वर की धार्मिकता के आधीन न हुए।’’ - रोमियों 10:2,3

‘‘हम तो सब के सब अशुद्ध मनुष्य के से है, और हमारे धर्म के काम सब के सब मैले चिथड़ों के समान है.........’’ - यशायाह 64:6

‘‘यदि मैं धर्मी से कहूं कि तू निश्चय जीवित रहेगा, और वह अपने धर्म पर भरोसा करके कुटिल काम करने लगे, तब उसके धर्म के कामों में से किसी का स्मरण न किया जाएगाः जो कुटिल काम उसने किए हों वह उन्ही में फंसा हुआ मरेगा।’’

- यहेजाकेल 33:13

‘‘और जो शारीरिक दशा में है, वे परमेश्वर को प्रसन्न नहीं कर सकते।’’ - रोमियों 8:8

‘‘क्योंकि व्यवस्था के कामों से कोई प्राणी उसके साम्हने धर्मी नहीं ठहरेगा, इसलिये कि व्यवस्था के द्वारा पाप की पहिचान होती है।’’ - रोमियों 3:20

‘‘यह नहीं, कि हम अपने ओर आप से इस योग्य है, कि अपनी ओर से किसी बात का विचार कर सकेंः पर हमारी योग्यता परमेश्वर की ओर से हैं।’’

- 2 कुरिन्थियों 3:5

‘‘पर यह बात प्रगट है, कि व्यवस्था के द्वारा परमेश्वर के यहां कोई धर्मी नहीं ठहरता क्योंकि धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा।’’ - गलतियों 3:11

पाप हम परमेश्वर से अलग करता है

''इसलिये जैसा एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आई, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई, इसलिये कि सब ने पाप किया।'' - रोमियों 5:12

''फिर अभिलाषा गर्भवती होकर पाप को जनती है और पाप जब बढ़ जाता है तो मृत्यु को उत्पन्न करता है।'' - याकूब 1:15

''परन्तु तुम्हारे अधर्म के कामों ने तुम को तुम्हारे परमेश्वर से अलग कर दिया है, और तुम्हारे पापों के कारण उसका मुंह तुम से ऐसा छिपा है कि वह नहीं सुनता।'' - यशायाह 59:2

''जो धर्म में दृढ़ रहता, वह जीवन पाता है, परन्तु जो बुराई का पीछा करता, वह मृत्यु का कौर हो जाता है।'' - नीतिवचन 11:19

''.......परमेश्वर यों कहता है, कि तुम यहोवा की आज्ञाओं को क्यों टालते हो? ऐसा करके तुम भाग्यवान नहीं हो सकते, देखों, तुम ने तो यहोवा को त्याग दिया है, इस कारण उस ने भी तुम को त्याग दिया है।'' - 2 इतिहास 24:20

''देख,बलवा करना और भावी कहनेवालों से पूछना एक ही समान पाप है.....तू ने जो यहोवा की बात को तुच्छ जाना, इसलिये उसने तुझे राजा होने के लिये तुच्छा जाना है।'' - 1शमूएस 15:23

''उस समय में उन सब बुराइयों के काल जो ये पराये देवाताओं की ओर फिरकर करेंगे निःसन्देह उन से अपना मुंह छिपा लूंगा'' - व्यवस्थाविवरण 31:18

''जो प्राणी पाप करे वही मरेगा.........''

- यहेजकल 18:20

‘‘परमेश्वर धर्मी और न्यायी है, वरन ऐसा ईश्वर है जो प्रति दिन क्रोध करता है।’’

- भजन संहिता 7:11

‘‘यहोवा विलम्ब से क्रोध करनेवाला और बड़ा शक्तिमान हैः वह दोषी को किसी प्रकार निर्दोष न ठहराएगा।’’ - नहूम 1:3

‘‘इन ही के कारण परमेश्वर का प्रकोप आज्ञा न माननेवालों पर पड़ता है।’’ - कुलुस्सियों 3:6

‘‘परमेश्वर का क्रोध तो उन लोगों की सब अभक्ति और अधर्म पर स्वर्ग से प्रगट होता है, जो सत्य को अधर्म से दबाए रखते हैं।’’ - रोमियों 1:18

‘‘सो वे सब प्रकार के अधर्म, और दुष्टता, और लोभ, और बैरभाव, से भर गएः और डाह, और हत्या, और झगड़े, और छल, और ईर्ष्या से भरपूर हो गए, और चुगलखोर. बदनाम करनेवाले, परमेश्वर के देखने में घृणित औरों का अनादर करनेवाले, अभिमानी, डींगमार, बुरी बुरी बातों के बनानेवाले, माता पिता की आज्ञा न माननेवाले, निर्बुद्धि, विश्वाघाती, मयारहित और निर्दय हो गए। वे तो परमेश्वर की यह विधि जानते है, कि ऐसे ऐसे काम करनेवाले मृत्यु के दण्ड के योग्य है, तौ भी न केवल आप ही ऐसे काम करते है, वरन करनेवालों से प्रसन्न भी होते है।’’ - रोमियों 1:29-32

‘‘और कलेश और संकट हर एक मनुष्य के प्राण पर जो बुरा करता है, आएगा........’’

- रोमियों 2:9

न्याय निकट है

''और जैसे मनुष्यों के लिए एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है।''

- इब्रनियों 9:27

''फिर मैं ने छोटे बड़े सब मरे हुओं को सिंहासन के साम्हने खड़े हुए देखा, और पुस्तकें खोली गईः और फिर एक और पुस्तक खोली गई, अर्थात् जीवन की पुस्तकः और जैसे उन पुस्तकों में लिखा हुआ था, उन के कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया। और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया।'' - प्रकाशितवाक्य 20:12,15

''जीवत परमेश्वर के हाथों पड़ना भयानक बात''

- इब्रानियों 10:31

''और मैं तुम से कहता हूं कि जो जो निकम्मी बातें मनुष्य कहेंगे, न्याय के दिन हर एक बात का लेखा देंगे।''

- मत्ती 12:36

''क्योंकि परमेश्वर सब कामों और सब गुप्त बातों का, चाहे वे भली हों या बुरी, न्याय करेंगा।''

- सभोपदेशक 12:14

''जगत के अन्त में ऐसा ही होगाः स्वर्गदूत आकर दुष्टों को धर्मियों से अलग करेंगे, और उन्हें आग के कुंड में डालेगे। वहां रोना और दांत पीसना होगा।''

- मत्ती 13:49,50

''यहोवा की आंखें सब स्थानों में लगी रहती है, वह बुरे भले दोनों को देखती रहती हैं।''

- नीतिवचन 15:3

''हे यहोवा, तू ने मुझे जांचकर जान लिया है. तू मेरा उठना बैठना जानता हैः और मेरे विचारों को दूर ही से समझ लेता है। मेरे चलने और लेटने की तू भली - भीति छानबीन करता है, और मेरे पूरे चालचलन का भेद जानता है। हे यहोवा, मेरे मुंह में ऐसी कोई बात नहीं जिसे तू पूरी रीति से न जानता हो।'' -भजन संहिता 139:14

''........क्योंकि यहोवा का देखना मनुष्य का सा नहीं हैः मनुष्य तो बाहर का रूप देखता है, परन्तु यहोवा की दृष्टि मन पर रहती है।''-1शमूएल 16:7

''जिस ने कान दिया, क्या वह आप नहीं सुनता? जिस ने आंख रची, क्या वह आप नहीं देखता?''

- भजन संहिता 94:9

''क्योंकि उनका पूरा चाल - चलन मेरी आंखों के साम्हने प्रगट हैः वह मेरी दृष्टि से छिपा नही है, न उनका अधर्म मेरी आंखों से गुप्त है । सो मैं उनके अधर्म और पाप का दूना दण्ड दूंगा ।''

- यिर्मयाह 16:17

''और सृष्टि की कोई वस्तु उस से छिपी नहीं है वरन जिस से हमें काम है, उस की आंखों के साम्हने सब वस्तुएं खुली और बेपरद है।'' - इब्रानियों 4:13

''ऐसा अन्धियारा वा घोर अन्धकार कहीं नहीं है जिस में अनर्थ करनेवाले छिप सकें।''

-अय्यूब 34:22

पापों से फिरना आवश्यक है

''प्रभु यहोवा की यह वाणी है, क्या मैं दुष्ट के मरने से कुछ भी प्रसन्न होता हूं? क्या मैं इस से प्रसन्न नहीं होता कि वह अपने मार्ग से फिरकर जीवित रहे?'' - यहेजकल 18:23

''मैं तुम से कहता हूं, कि नहीं: परन्तु यदि तुम मन न फिराओगे तो तुम सब भी इसी रीति से नाश होगे।'' - लूका 13:3

''जो अपने अपराध छिपा रखता है, उसका कार्य सूफल नहीं होता, परन्तु जो उनको मान लेता और छोड़ भी देता है, उस पर दया की जायेगी।'' - नीतिवचन 28:13

''तो भी यहोवा की यह वाणी है, अभी भी सुनो, उपवास के साथ रोते - पीटते अपने पूरे मन से फिरकर मेरे पास आओ, अपने वस्त्र नहीं, अपने मन ही को फाड़कर अपने परमेश्वर यहोवा की ओर फिरो: क्योंकि वह अनुग्रहकारी, दयालु, विलम्ब से क्रोध करनेवाला, करुणीनिधान और दुःख देकर पछतानेहारा है।'' -योएल 2:12

''बातें सीखकर और यहोवा की ओर फिरकर, उस से कह, सब अधर्म दूर कर: अनुग्रह से हम को ग्रहण कर.......'' -होशै 14:2

''वह मनुष्यों के साम्हने गाने और कहने लगता है, कि मैं ने पाप किया, और सच्चाई को उलट पुलट कर दिया, परन्तु उसका बदला मुझे दिया नहीं गया। उस ने मेरे प्राण कब्र में पड़ने से बचाया है, मेरा जीवन उजियाले को देखेगा।''-अय्यूब 33:27,28

''पश्चाताप करो और अपने सब अपराधों को छोड़ो, तभी तुम्हारा अधर्म तुम्हारे ठोकर खाने का कारण न होगा।'' - यहेजकल 18:30

''जब तक यहोवा मिल सकता है तब तक उसकी खोज में रहो, जब तक वह निकट है तब तक उसे पुकारोः दुष्ट अपनी चालचलन और अनर्थकारी अपने सोच विचार छोड़कर यहोवा ही की ओर फिरे, वह उस पर दया करेगा, वह हमारे परमेश्वर की ओर फिरे और वह पूरी रीति से उसको क्षमा करेगा।''

- यशायाह 55ः6,7

''यहोवा टूटे मनवालों के समीप रहता है, और पिसे हुओं का उद्धार करता है।''

- भजन संहिता 34ः18

''........अपनी बुरी चाल से फिरे और मैं उनके अधर्म और पाप को क्षमा करूं।''- यिर्मयाह 36ः3

''जब मैं ने अपना पाप तुझ पर प्रगट किया और अपना अधर्म न छिपाया, और कहा, मैं यहोवा के साम्हने अपने अपरोधों को मान लूंगाः तब तू ने मेरे अधर्म और पाप को क्षमा कर दिया।''

- भजन संहिता 32ः5

''यदि हम अपने पापों को मान ले, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।''- 1 यूहन्ना 1ः9

''इसलिये, मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएं........''

- प्रेरितों के काम 3ः19

''मैं कान लगाए रहूंगा, कि ईश्वर यहोवा क्या कहता है, वह तो अपनी प्रजा से जो उसके भक्त है, शान्ति की बातें कहेगाः परन्तु वे फिरके मूर्खता न करने लगें।'' -भजन संहिता 85ः8

पश्चाताप का अर्थ है पापों को छोड़ना और साथ ही साथ परमेश्वर के सामने उसका अंगीकार करना।

परमेश्वर से सन्धि करने के लिए हमें बलि की आवश्यकता है

(पृष्ठ 14 के तुल्य)

''और वह अपना हाथ होमबलि पशु के सिर पर रखे, और वह उनके लिये प्रायश्चित करने का ग्रहण किया जाएगा।'' क्योंकि शरीर का प्राण लोहू में रहता हैः और उसको मैं ने तुम लोगों को वेदी पर चढ़ाने के लिये दिया है, कि तुम्हारे प्राणों के लिये प्रायश्चित किया जाएः क्योंकि प्राण के कारण लोहू ही से प्रायश्चित होता है।''

- लैव्यव्यवस्था 1ः4,17,11

''और व्यवस्था के अनुसार प्रायः सब वस्तुएं लोहू के द्वारा शुद्ध की जाती हैः और बिना लोहू बहाए क्षमा नहीं होती।'' - इब्रानियों 9ः22

''तुम्हारा मेम्ना निर्दोष और पहिले वर्ष का नर हो.........और जिन घरों में तुम रहोगे उन पर वह लोहू तुम्हारे निमित्त चिन्ह ठहरेगाः अर्थात् मैं उस लोहू को देखकर तुम को छोड़ जाऊंगा.......तब वह विपत्ति तुम पर न पड़ेगी और तुम नाश न होगे।''

- निर्गमन 12ः5,13

''......उस ने कहा, देख, आग और लकड़ी तो हैः पर होमबलि के लिये भेड़ कहां है? इब्राहीम ने कहा, हे मेरे पुत्र, परमेश्वर होमबलि की भेड़ का उपाय आप ही करेगा। तब इब्राहीम ने आंखें उठाई, और क्या देखा, कि उसके पीछे एक मेढ़ा अपने सींगों से एक झाड़ी में बझा हुआ हैः सो इब्राहीम ने जाके उस मेढ़े को लिया, और अपने पुत्र की सन्ती होमबलि करके चढ़ाया।'' - उत्पत्ती 22ः7-8,13

''दूसरे दिन उस ने यीशु को अपनी ओर आते देखकर कहा, देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत का पाप उठा ले जाता है।'' - यूहन्ना 1:29

''......और यहोवा, ने हम सभों के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया।'' वह सताया गया, तौभी वह सहता रहा और अपना मुंह न खोलाः जिस प्रकार भेड़ वध होने के समय व भेड़ी ऊन कतरने के समय चुपचाप शान्त रहती है, वैसे ही उस ने भी अपना मुंह न खोला।'' - यशायाह 53:6,7

''और बकरों और बछड़ों के लोहू के द्वारा नहीं, पर अपने ही लोहू के द्वारा एक ही बार पवित्र स्थान में प्रवेश किया, और अनन्त छुटकारा प्राप्त किया.......पर अब युग के अन्त में वह एक बार प्रगट हुआ है, ताकि अपने ही बलिदान के द्वारा पाप को दूर कर दे, वैसे ही मसीह भी बहुतों के पापों को उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ.......''

- इब्रानियों 9:12,26,28

''क्योंकि तुम जानते हो, कि तुम्हारा निकम्मा चालचलन जो बापदादों से चला आता है उस से तुम्हारा छुटकारा चान्दी सोने........पर निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने अर्थात् मसीह के बहुमूल्य लोहू के द्वारा हुआ।'' - 1पतरस 1:18,19

''तो मसीह का लोहू जिस ने अपने आप को सनातन आत्मा के द्वारा परमेश्वर के साम्हने निर्दोष चढ़ाया, तुम्हारे विवेक कों मरे हुए कामों से क्यों न शुद्ध करेगा, ताकि तुम जीविते परमेश्वर की सेवा करो।'' -इब्रानियों 9:14

केवल परमेश्वर के विधि के द्वारा छुटकारा

‘‘परन्तु उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है, सेंत मेंत धर्मी ठहराये जाते हैं, उसे परमेश्वर ने उसके लोहू के कारण एक ऐसा प्रायश्चित ठहराया, जो विश्वास करने से कार्यकारी होता है......’’ - रोमियों 3:24,25

‘‘परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा। सो जब कि हा, अब उसके लोहू के कारण धर्मी ठहरे, तो उसके द्वारा क्रोध से क्यों न बचेंगे?’’ - रोमियों 5:8,9

‘‘तो भी यह जानकर कि मनुष्य व्यवस्था के कामों से नहीं, पर केवल यीशु मसीह पर विश्वास करने के द्वारा धर्मी ठहरता है, हम ने आप भी मसीह यीशु पर विश्वास किया.....’’ - गलतियों 2:16

‘‘क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, बरन परमेश्वर का दान है। और न कर्मों के कारण, ऐता न हो कि कोई घमण्ड करे.’’ - इफिसियों 2:8,9

‘‘उस की सब भविष्यद्वक्ता गवाही देते है, कि जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उस को उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी।’’ - प्रेरितों के काम 10:43

‘‘और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीः क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिस के द्वारा हम उद्धार पा सकें।’’

- प्रेरितों के काम 4:12

‘‘हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।’’ -इफिसियों 1:7

यीशु के जन्म की घोषणा

''.........जिब्राईल स्वर्गदूत गलील के नासरत नगर में एक कुंवारी के पास भेजा गया। जिस की मंगनी यूसुफ नाम दाऊद के घराने के एक पुरुष से हुई थीः उस कुंवारी का नाम मरियम था। और स्वर्गदूत ने उसके पास भीतर आकर कहाः आनन्द और जय तेरी हो, जिस पर ईश्वर का अनुग्रह हुआ हैः प्रभु तेरे साथ है. वह उस वचन से बहुत घबरा गई, और सोचने लगी, कि यह किस प्रकार का अभिवादन है? स्वर्गदूत ने उस से कहा, मरियमः भयभीत न हो, क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह तुझ पर हुआ है। और देख, तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगाः तू उसका नाम यीशु रखना। वह महान होगाः और परमप्रधान का पुत्र कहलाएगाः और प्रभु परमेश्वर उसके पिता दाऊद का सिंहासन उस को देगा। और वह याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगाः व उसके राज्य का अन्त न होगा। मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, यह क्यों कर होगा? मैं तो पुरुष को जानती ही नहीं, स्वर्गदूत ने उस को उत्तर दियाः कि पवित्र आत्मा तुम पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ तुझ पर छाया करेगी इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा......क्योंकि जो वचन परमेश्वर की ओर से होता है वह प्रभावरहित नहीं होता........तब स्वर्गदूत उसके पास ने चला गया।''

- लूका 1:26-38

केवल आदम और यीशु ही वे मनुष्य थे जो बिना लैगिक संबंध के इस संसार में आये। आदम इस संसार में पाप लाया, लेकिन यीशु ने इस पाप पर विजय पाई।

‘‘जैसा मसीह यीशु का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा भी स्वभाव हो। जिस ने परमेश्वर के स्वरूप में होकर भी परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु न समझा बरन अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया, और दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्य की समानता में हो गया। और मनुष्य के रूप में प्रगट होकर अपने आप को दीन किया, और यहां तक आज्ञाकारी रहा, कि मृत्यु, हां, क्रूस की मृत्यु भी सह ली।’’ - फिलिप्पियों 2:5-8

‘‘मैं और पिता एक हैं, तो जिसे पिता ने पवित्र ठहराकर जगत में भेजा है, तुम उस से कहते हो कि तू निन्दा करता है, इसलिये कि मैं ने कहा, मैं परमेश्वर का पुत्र हूं।’’ - यूहन्ना 10:30,36

यीशु मसीह जो अमिट वचन है, हमेशा जीवित है। चमत्कार के द्वारा, परमेश्वर ने उसे मरियम के गर्भ में उत्पन्न किया। भौतिक रूप में वह मनुष्य का बेटा व आत्मिक रूप में पिता का बेटा कहलाता है। धर्मपुस्तक में पुत्र शब्द परमेश्वर और उसका वचन - यीशु मसीह संबंध को उजागर करता है।

‘‘इसी कारण वह जगत में आते समय कहता है, कि बलिदान और भेंट तू ने न चाही, पर मेरे लिये एक देह तैयार किया है।’’ - इब्रानियों 10:5

‘‘और पवित्रता की आत्मा के भाव से मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा है। - रोमियों 1:4

‘‘यह सुन थोमा ने उत्तर दिया, हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर । -यूहन्ना 20:28

''और इस में सन्देह नहीं, कि भक्ति का भेद गम्भीर हैः अर्थात् वह जो शरीर में प्रगट हुआ........'' - 1 तीमुथियुस 3:16

''क्योंकि उस में ईश्वर की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है।'' - कुलुस्सियों 2:9

''क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया हैः और प्रभुता उसके कांधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्ति करनेवाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा।'' - यशायाह 9:6

''यीशु ने उस से कहाः मैं तुम से सच सच कहता हूंः कि पहिले इसके कि इब्राहीम उत्पन्न हुआ मैं हूं।'' - यूहन्ना 8:58

''उस में जीवन थाः और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति थी....सच्ची ज्योति जो हर एक मनुष्य को प्रकाशित करती है, जगत में आनेवाली थी। वह जगत में था, और जगत उसके द्वारा उत्पन्न हुआ, और जगत ने उसे नहीं पहिचाना।'' - यूहन्ना 1:4,9-10

''क्योंकि परमेश्वर एक ही हैः और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में भी एक ही बिचवई है, अर्थात् मसीह यीशु जो मनुष्य है, जिस ने अपने आप को सब के छुटकारे के दाम में दे दिया........''

- 1 तीमुथियुस 2:5,6

''जिस में हमें छुटकारा अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त होती है। वह तो अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप और सारी सृष्टि में पहिलौठा है।''

- कुलुस्सियों 1:14,15

बाइबल (धर्मपुस्तक) परमेश्वर का वचन है

''क्योंकि कोई भी भविष्यद्वाणी मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई पर भक्त जन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे।''

- 2 पतरस 1:21

''जैसे उस ने अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा जो जगत के आदि से होते हुए आए हैं, कहा था.......कि उसके लोगों को उद्धार का ज्ञान दे, जो उन के पापों की क्षमा से प्राप्त होता है।''

- लूका 1:70,77

''यहोवा का आत्मा मुझ में होकर बोला, और उसी का वचन मेरे मुंह में आया।''

- 2 शमूएल 23:2

''और ये आज्ञाएं जो मैं आज तुझ को सुनाता हूं वे तेरे मन में बनी रहें।'' - व्यवस्थाविवरण 6:6

''हर एक पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धर्म की शिक्षा के लिये लाभदायक है।''

-2 तीमुथियुस 3:16

''जितनी बातें पहिले से लिखी गई, वे हमारी ही शिक्षा के लिये लिखी गई है कि हम धीरज और पवित्र शास्त्र की शान्ति के द्वारा आशा रखें।''

- रोमियों 15:4

''यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, कि तुम पवित्र शास्त्र और परमेश्वर की सामर्थ नहीं जानतेः इस कारण भूल में पड़ गए हो।'' - मत्ती 22:29

''क्योंकि तू ने अपने वचन को अपने बड़े नाम से अधिक महत्व दिया है।''- भजन संहिता 138:2

''और वह लोहू से छिड़का हुआ वस्त्र पहिने हैः और उसका नाम परमेश्वर का वचन है।''

- प्रकाशितवाक्य 19ः13

''आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। उस में जीवन थाः और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति थी।''

- यूहन्ना 1ः1,4

यीशु परमेश्वर को प्रगट करता है

''परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा, एकलौता पुत्र जो पिता की गोद में है, उसी ने उसे प्रगट किया।'' - यूहन्ना 1ः18

''इसलिये कि परमेश्वर ही है, जिस ने कहा, कि अन्धकार में से ज्योति चमकेः और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहिचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो।''

-2 कुरिन्थियों 4ः6

परमेश्वर यीशु के ज़रिए बातें करता है

''पूर्व युग में परमेश्वर ने बाप दादों से थोड़ा थोड़ा करके और भांति भांति से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बातें करके। इन दिनों के अन्त में हम से पुत्र के द्वारा बातें की, जिसे उस ने सारी वस्तुओं का वारिस ठहराया और उसी के द्वारा उस ने सृष्टि रची है।''

- इब्रानियों 1ः1,2

''जो मुझ से प्रेम नहीं रखता, वह मेरे वचन नहीं मानता, और जो वचन तुम सुनते हो, वह मेरा नहीं बरन पिता का है, जिस ने मुझे भेजा।'' - यूहन्ना 14ः24

लिखित और जीवित वचन का मिलाप

बाइबल आत्मा का भोजन है

''......और मैं ने उसके वचन अपनी इच्छा से कहीं अधिक काम के जानकर सुरक्षित रखे।''

- अय्यूब 23:12

''........मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।''

- मत्ती 4:4

यीशु स्वर्ग की रोटी है

''जीवन की रोटी जो स्वर्ग से उतरी मैं हूं, यदि कोई इस रोटी में से खाए, तो सर्वदा जीवित रहेगा और जो रोटी मैं जगत के जीवन के लिये दूंगा, वह मेरा मांस है, जीवन की रोटी मैं हूं।''

- यूहन्ना 6:51,48

बाइबल हमारे पांव का उजियाला है

''तेरा वचन मेरे पांव के लिये दीपक, और मेरे मार्ग के लिये उजियाला है।'' - भजन संहिता 119:105

''तेरी बातों के खुलने से प्रकाश होता है: उस से भोले लोग समझ प्राप्त करते है।''

- भजन संहिता 119:130

यीशु जगत की ज्योति है

''उस में जीवन था: और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति थी. तब यीशु ने फिर लोगों से कहा, जगत की ज्योति मैं हूं: जो मेरे पीछे हो लेगा, वह अन्धकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।''

- यूहन्ना 1:4, 8:12

बाइबल जीवन को सफल बनाती है

‘‘परन्तु वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहताः और उसकी व्यवस्था पर रात दिन ध्यान करता रहता हैः वह उस वृक्ष के समान है, जो बहती नालियों के किनारे लगाया गया है। और अपनी ऋतु में फलता है, और जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं, इसलिये जो कुछ वह पुरुष करे वह सफल होता है।’’

- भजन संहिता 1ः2,3

यीशु सफल जीवन देता है

‘‘तुम मुझ में बने रहो, और मैं तुम मेः जैसे डाली यदि दाखलता में बनी न रहे, तो अपने आप से नहीं फल सकती, वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो तो नहीं फल सकते। मैं दाखलता हूंः तुम डालियां होः जो मुझ में बना रहता है, और मैं उस में ,वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।’’ -यूहन्ना 15ः4,5

धर्मपुस्तक यीशु मसीह के बारे में बताती है

‘‘तुम पवित्रशास्त्र में ढूढ़ते हो, क्योंकि समझते हो कि उस में अनन्त जीवन तुम्हें मिलता है, और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है। क्योंकि यदि तुम मूसा की प्रतीति करते, तो मेरी भी प्रतीति करते, इसलिये कि उस ने मेरे विषय में लिखा है।’’

- यूहन्ना 5ः39,46

‘‘तब उस ने मूसा से और सब भविष्यद्वक्ताओं से आरम्भ करके सारे पवित्र शास्त्रों में से, अपने विषय में की बातों का अर्थ, उन्हें समझा दिया।’’

- लूका 24ः27

परमेश्वर का वचन कभी नहीं बदलता

''हे यहोवा, तेरा वचन, आकाश में सदा तक स्थिर रहता है।'' - भजन संहिता 119:89

''तेरा सारा वचन सत्य ही है: और तेरा एक एक धर्ममय नियम सदा काल तक अटल है।

- भजन संहिता 119:160

''घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है: परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा।''

- यशायाह 40:8

''......जब तक आकाश और पृथ्वी टल न जाएं, तब तक व्यवस्था से एक मात्रा या एक बिन्दु भी बिना पूरा हुए नहीं टलेगा।'' - मत्ती 5:18

''......पवित्र शास्त्र की बात लोप नहीं हो सकती।'' - यूहन्ना 10:35

मनुष्य - साहस बाइबल को बदल नहीं सकती

''जितनी बातों की मैं तुम को आज्ञा देता हूं उनको चौकस होकर माना करना: और न तो कुछ उन मे बढ़ाना और न उन में से कुछ घटाना।''

- व्यवस्थाविवरण 12:32

''उसके वचनों में कुछ मत बढ़ा, ऐसा न हो कि वह तुझे डांटे और तू झूठा ठहरे।'' - नीतिवचन 30:6

''और यदि कोई इस भविष्यद्वाणी की पुस्तक की बातों में से कुछ निकाल डाले, तो परमेश्वर उसे जीवन के पेड़ और पवित्र नगर में से जिस की चर्चा इस पुस्तक में है, उसका भाग निकाल देगा।''

- प्रकाशितवाक्य 22:19

''जो वचन को तुच्छ जानता, वह नाश हो जाता है......'' - नीतिवचन 13:13

''पिता इसलिये मुझ से प्रेम रखता है, कि मैं अपना प्राण देता हूं,कि उसे फिर ले लूं, कोई उसे मुझ से छीनता नहीं, बरन मैं उसे आप ही देता हूं........'' - यूहन्ना 10:17,18

''यीशु ने उत्तर दिया, कि यदि तुझे ऊपर से न दिया जाता, तो तेरा मुझ पर कुछ अधिकार न होता.........'' - यूहन्ना 19:11

''क्या तू नहीं समझता, कि मैं अपने पिता से विनती कर सकता हूं, और वह स्वर्गदूतों की बारह पलटन से अधिक मेरे पास अभी उपस्थित कर देगा? परन्तु पवित्र शास्त्र की वे बातें कि ऐसा ही होना अवश्य है, क्योंकर पूरी होंगी?''

- मत्ती 26:53,54

''परन्तु जिन बातों को परमेश्वश ने भविष्यद्वक्ताओं के मुख से पहिले ही बताया था, कि उसका मसीह दुःख उठाएगाः उन्हें उसने इस रीति से पूरी किया।'' - प्रेरितों के कामा 3:18

''उसी को, जब वह परमेश्वर की ठहराई हुई मनसा और होनहार के ज्ञान के अनुसार पकड़वाया गया, तो तुम ने अधर्मियों के हाथ से उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।'' - प्रेरितों के काम 2:23

''तो भी यहोवा को यही भाया कि उसे कुचलेः उसी ने उसको रोगी कर दियाः जब तू उसका प्राण दोषबलि करे, तब वह अपना वंश देखने पाएगा.......'' - यशायाह 53:10

''क्या अवश्य न था, कि मसीह ये दुःख उठाकर अपनी महिमा में प्रवेश करे?'' - लूका 24:26

गवाहों के द्वारा यीशु की मृत्यु की घोषणा

''और उन्हों ने उसके साथ दो डाकू, एक उस की दहिनी और एक उस की बाई ओर क्रूस पर चढ़ाए। तब धर्मशास्त्र का वह वचन कि वह अपराधियों के संग गिना गया, पूरा हुआ।'' - मरकुस 15:27,28

''सो सिपहियों ने आकर पहिले की टांगे तोड़ीं तब दूसरे की भी, जो उसके साथ क्रूसों पर चढ़ाए गए थे। परन्तु जब यीशु के पास आकर देखा कि वह मर चुका है, तो उस की टांगे न तोड़ीं। परन्तु सिपाहियों में से एक ने बरछे से उसका पंजर बेधा और उस में से तुरन्त लोहू और पानी निकला। जिस ने यह देखा, उसी ने गवाही दी है, और उस की गवाही सच्ची है: और वह जानता है, कि सच कहता है कि तुम भी विश्वास करो। ये बातें इसलिये हुई कि पवित्र शास्त्र की यह बात पूरी हो कि उस की कोई हड्डी तोड़ी न जाएगी। फिर एक और स्थान पर यह लिखा है, कि जिसे उन्हों ने बेधा है, उस पर दृष्टि करेंग।''

- यूहन्ना 19:32-37

'दोपहर से लेकर तीसरे पहर तक उस सारे देश में अन्धेरा छाया रहा। तब यीशु ने फिर बड़े शब्द से चिल्लाकर प्राण छोड़ दिए। और देखो, मन्दिर का परदा ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया:और धरती डोल गई और चट्टानें तड़का गई. तब सूबेदार और जो इसके साथ यीशु का पहरा दे रहे थे, भुईडोल और जो कुछ हुआ था, देखकर अत्यन्त डर गए, और कहा, सचमुच ''यह परमेश्वर का पुत्र था।''

- मत्ती 27:45,50-51,54

''परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलायाः क्योंकि यह अनहोना था कि वह उसके वंश में रहता। इसी यीशु को परमेश्वर ने जिलाया, जिस के हम सब गवाह है।''

- प्रेरितों के काम 2:24,32

''इसलिये जब कि लड़के मांस और लोहू के भागी है, तो वह आप भी उन के समान उन का सहभागी हो गयाः ताकि मृत्यु के द्वारा उसे जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी, अर्थात् शैतान को निकम्मा कर दे।'' - इब्रानियों 2:14,15

''हे मृत्यु तेरी जय कहां रही? परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।''- 1 कुरिन्थियों 15:55,57

''मैं मर गया था, और अब देखः मैं युगानुयुग जीवता हूंः और मृत्यु और अधोलोक की कुंजियां मेरे ही पास है।'' - प्रकाशितवाक्य 1:18

''.......पर उस परमेश्वर की सामर्थ के अनुसार सुसमाचार के लिये मेरे साथ दुख उठा। पर अब हमारे उद्धारकर्त्ता मसीह यीशु के प्रगट होने के द्वारा प्रकाश हुआ, जिस ने मृत्यु का नाश किया, और जीवन और अमरता को उस सुसमाचार के द्वारा प्रकाशमान कर दिया।'' - 2 तीमुथियुस 1:8,10

''.......उस पर फिर मृत्यु की प्रभुता नहीं होने की।'' - रोमियों 6:9

यीशु के साथ हमें क्या करना है?

''देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटता हूंः यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा, और वह मेरे साथ।''
- प्रकाशितवाक्य 3ः20

''परन्तु जो काम नहीं करता बरन भक्तिहीन के धर्मी ठहरानेवाले पर विश्वास करता है, उसका विश्वास उसके लिये धार्मिकता गिना जाता हैं।''
- रोमियों 4ः5

''...पवित्र आत्मा लो....मांगो तो पाओगे ताकि तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए।''
- यूहन्ना 20ः22ः16ः24

''कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा।''
- रोमियों 10ः9

''जो माता या पिता को मुझ से अधिक प्रिय जानता है, वह मेरे योग्य नहीं ....तब यीशु ने अपने चेलों से कहाः यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप का इन्कार करे और अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले। क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे, वह उसे खोएगा, और जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगाः वह उसे पाएगा।''
- मत्ती 10ः37ः16ः24,25

''और यदि तुम मसीह के हो, तो इब्राहीम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो।''
- गलतियों 3ः29

''उन्हों ने कहा, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।''
- प्रेरितों के काम 16ः31

''और वह गवाही यह है, कि परमेश्वर ने हमें अनन्त जीवन दिया हैः और यह जीवन उसके पुत्र में है......जिस के पास परमेश्वर का पुत्र नहीं, उसके पास जीवन भी नहीं है। - 1 यूहन्ना 5ः11,12

''परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है.....जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया......'' - इफिसियों 2ः4,5

''मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूं, और अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित हैः और मैं शरीर में अब जो जीवित हूं तो केवल उस विश्वास से जीवित हूं, जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया, और मेरे लिये अपने आप को दे दिया।'' - गलतियों 2ः20

''क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप की, और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया।'' - रोमियों 8ः2

''सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि हैः पुरानी बातें बीत गई हैः देखो, वे सब नई हो गई।

- 2 कुरिन्थियों 5ः17

''क्योंकि तुम ने नाशमान नहीं पर अविनाशी बीज से परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है।''

- 1 पतरस 1ः23

''नये जन्मे हुए बच्चों की नाई निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो, ताकि उसके द्वारा उद्धार पाने के लिये बढ़ते जाओ।'' - 1 पतरस 2ः2

''परमेश्वर अपने पवित्र धाम में, अनाथों का पिता और विधवाओं का न्यायी है।''

- भजन संहिता 68:5

''तौ भी, हे यहोवा, तू हमारा पिता हैः देख, हम तो मिट्टी है, और तू हमारा कुम्हार हैः हम सब के सब तेरे हाथ के काम है। तू हमारा पिता और हमारा छुड़ानेवाला हैः प्राचीनकाल से यही तेरा नाम है।''

- यशायाह 64:8, 63:16

''.....और जिस स्थान में उन से यह कहा जाता था कि तुम मेरी प्रजा नहीं हो, उसी स्थान में वे जीवित परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे।'' - होशै 1:10

''सो जब तुम बुरे होकर, अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएं देना जानते हो, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता अपने मांगनेवालों को अच्छी वस्तुएं क्यों न देगा? सो तुम इस रीति से प्रार्थना किया करोः ''है हमारे पिता, तू जो स्वर्ग में हैः तेरा नाम पवित्र माना जाए।''

- मत्ती 7:11, 6:9

''.....मैं तुम्हें ग्रहण करुंगा। और तुम्हारा पिता हूंगा, और तुम मेरे बेटे और बेटियां होगेः यह सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर का वचन है।''

- 2 कुरिन्थियों 6:17,18

''इसलिये कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र है।''

- रोमियों 8:14

''यीशु ने उस से कहा, मार्ग और सच्चाई और जीवन मैं ही हूंः बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंच सकता। यदि तुम ने मुझे जाना होता, तो मेरे पिता को भी जानते , और अब उसे जानते हो, और उसे देखा भी है......यदि कोई मुझ से प्रेम रखे,तो वह मेरे वचन को मानेगा, और मेरा पिता उस से प्रेम रखेगा, और हम उसके पास आएंगे, और उसके साथ वास करेंगे।'' - यूहन्ना 14ः6,7,23

''....परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा....और हमको लेपालक होने का पद मिले....इसलिये तू अब दास नहीं, परन्तु पुत्र हैः और जब पुत्र हुआ, तो परमेश्वर के द्वारा वारिस हुआ। क्योंकि तुम सब उस विश्वास करने के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर की सन्तान हो।'' - गलतियों 4ः4,5,7, 3ः26

''परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते है।''

- यूहन्ना 1ः12

''....और यदि कोई पाप करे, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है, अर्थात् धार्मिक यीशु मसीह।''

- 1 यूहन्ना 2ः1

''क्योंकि उस ही के द्वारा हम दोनों की एक आत्मा में पिता के पास पहुंच होती है।''

- इफिसियों 2ः18

यीशु प्यार, खुशी और शान्ति लाता है

''जो प्रेम नहीं रखता, वह परमेश्वर को नहीं जानता, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है.......और जो प्रेम में बना रहता है, वह परमेश्वर में बना रहता हैः और परमेश्वर उस में........'' - 1 यूहन्ना 4ः8-6

''और एक दूसरे पर कृपाल, और करुणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो।'' - इफिसियों 4ः32

''यदि आपस में प्रेम रखोगे तो इसी से सब जानेंगे, कि तुम मेरे चेले हो।'' - यूहन्ना 13ः35

''तौ भी मैं यहोवा के कारण आनन्दित और मगन रहूंगा, और अपने उद्धारकर्त्ता परमेश्वर के द्वारा अति प्रसन्न रहूंगा।'' - हबक्कूक 3ः18

''तू मुझे जीवन का रास्ता दिखाएगाः तेरे निकट आनन्द की भरपूरी है, तेरे दहिने हाथ में सुख सर्वदा बना रहता है।'' - भजन संहिता 16ः11

''सो जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें,'' - रोमियों 5ः1

''मैं तुम्हें शान्ति दिए जाता हूं, अपनी शान्ति तुम्हें देता हूंः जैसे संसार देता है, मैं तुम्हें नहीं देताः तुम्हारा मन न घबराए और न डरे'' - यूहन्ना 14ः27

''तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ से बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।'' - फिलिप्पियों 4ः7

''और यदि उसी का आत्मा जिस ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया तुम में बसा हुआ हैः तो जिस ने मसीह को मरे हुओं में से जिलाया, वह तुम्हारी मरनहार देहों को भी अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में बसा हुआ है जिलाएगा।'' - रोमियों 8ः11

''और परमेश्वर ने अपनी सामर्थ से प्रभु को जिलाया, और हमें भी जिलाएगा।''

- 1 कुरिन्थियों 6ः14

''क्योंकि मेरे पिता की इच्छा यह है, कि जो कोई पुत्र को देखे, और उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाएः और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊंगा।'' - यूहन्ना 6ः40

''यीशु ने उस से कहा, पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूं जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए, तौ भी जीएगा. और जो कोई जीवता है, और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा........'' - यूहन्ना 11ः25,26

''क्योंकि जब मनुष्य के द्वारा मृत्यु आईः तो मनुष्य ही के द्वारा मरे हुओं का पुनरुत्थान भी आया, और जैसे आदम में सब मरते है, वैसा ही मसीह में सब जिलाए जाएंगे, परन्तु हर एक अपनी अपनी बारी सेः पहिला फल मसीहः फिर मसीह के आने पर उसके लोग।'' - कुरिन्थियों 15ः21-23

''........इसलिये कि मैं जीवित हूं, तुम भी जीवित रहोगे।'' - यूहन्ना 14ः19

''सो यदि हम मसीह के साथ मर गए, तो हमारा विश्वास यह है, कि उसके साथ जीएंगे भी।''

- रोमियों 6ः8

''जब कि मूसा की व्यवस्था का न माननेवाला दो या तीन जनों की गवाही पर, बिना दया के मार डाला जाता है। तो सोच लो कि वह कितने और भी भारी दण्ड के योग्य ठहरेगा, जिस ने परमेश्वर के पुत्र को पांवों से रौदा, और वाचा के लोहू को जिस के द्वारा वह पवित्र ठहराया गया था, अपवित्र जाना है, और अनुग्रह की आत्मा का अपमान किया।''
- इब्रानियों 10:28,29

''जो मुझे तुच्छ जानता है और मेरी बातें ग्रहण नहीं करता है उस को दोषी ठहरानेवाला तो एक हैः अर्थात् जो वचन मैं ने कहा है, वही पिछले दिन में उसे दोषी ठहराएगा।'' - यूहन्ना 12:48

''इसलिये मैं ने तुम से कहा, कि तुम अपने पापों में मरोगेः क्योंकि यदि तुम विश्वास न करोगे कि मैं वही हूं, तो अपने पापों में मरोगे।''
- यूहन्ना 8:24

''परन्तु मैं तुम से जो मेरे मित्र हो कहता हूं, कि जो शरीर को घात करते है परन्तु उसके पीछे और कुछ नहीं कर सकते, उन से मत डरो, मैं तुम्हें चिताता हूं कि तुम्हें किस से डरना चाहिए, घात करने के बाद जिसको नरक में डालने का अधिकार है, उसी से डरो।'' - लूका 12:4,5

''तो हम लोग ऐसे बड़े उद्धार से निश्चिन्त रहकर क्योंकर बच सकते हैं? - इब्रानियों 2:3

''..........परन्तु जो पुत्र को नहीं मानता, वह जीवन को नहीं देखेगा, परन्तु परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है।'' - यूहन्ना 3:36

''क्योंकि उस ने एक दिन ठहराया है, जिस में वह उस मनुष्य के द्वारा धर्म से जगत का न्याय करेगा, जिसे उस ने ठहराया है और उसे मरे हुओं में से जिलाकर, यह बात सब पर प्रमाणित कर दी है।''

- प्रेरितों के काम 17:31

''और पिता किसी का न्याय भी नहीं करता, परन्तु न्याय करने का सब काम पुत्र को सौंप दिया है। इसलिये कि सब लोग जैसे पिता का आदर करते हैं वैसे ही पुत्र का भी आदर करें.......''

- यूहन्ना 5:22,23

''क्योंकि अवश्य है, कि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के साम्हने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने अपने भले बुरे कामों का बदला जो उस ने देह के द्वारा किए हों पाए।''- 2 कुरिन्थियों 5:10

''जिस दिन परमेश्वर मेरे सुसमाचार के अनुसार यीशु मसीह के द्वारा मनुष्यों की गुप्त बातों का न्याय करेगा।''

- रोमियों 2:16

''......उस समय जब कि प्रभु यीशु अपने सामर्थी दूतों के साथ, धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रगट होगा। और जो परमेशवर को नहीं पहचानते, और हमारे प्रभु यीशु के सुसमाचार को नहीं मानते उन से पलटा लेगा।''

- 2 थिस्सलुनीकियों 1:7,8

''परन्तु मेरे उन बैरियों को जो नहीं चाहते थे कि मैं उन पर राज्य करूं, उन को यहां लाकर मेरे सामने घात करो।''

- लूका 19:27

''वे कहते है, कि हम परमेश्वर को जानत हैः पर अपने कामों से उसका इन्कार करते हैं.........''

- तीतुस 1ः16

''.......यदि किसी में मसीह का आत्मा नहीं तो वह उसका जन नहीं।''

- रोमियों 8ः9

''वे प्रजा की नाई तेरे पास आते और मेरी प्रजा बनकर तेरे साम्हने बैठकर तेरे वचन सुनते हैं, परन्तु वे उन पर चलते नहींः मुंह से तो वे बहुत प्रेम दिखाते हैं, परन्तु उनका मन लालच ही में लगा रहता हैं।''

- यहेजकल 33ः31

''कि ये लोग होठो से तो मेरा आदर करते है, पर उन का मन मुझ से दूर रहता है।''

- मत्ती 15ः8

''जो मुझ से, हे प्रभु, हे प्रभु कहता है, उन में से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है, उस दिन बहुतेरे मुझ से कहेंगेः हे प्रभु, क्या हम ने तेरे नाम से भविष्यद्वाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को नहीं निकाला, और तेरे नाम से बहुत अचम्भे के काम नहीं किए? तब मैं उन से खुलकर कह दूंगा कि मैं ने तुम को कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करनेवालो, मेरे पास से चले जाओ।''

- मत्ती 7ः21-23

''इसी रीति से तुम भी ऊपर से मनुष्यों को धर्मी दिखाई देते हो, परन्तु कपट और अधर्म से भरे हुए हो।''

- मत्ती 23ः28

''यदि हम उस की आज्ञाओं को मानेंगे, तो इस से हम जान लेंगे कि हम उसे जान गए है।''

- 1 यूहन्ना 2:3

''और मैं अपना आत्मा तुम्हारे भीतर देकर ऐसा करूंगा कि तुम मेरी विधियों पर चलोगे और मेरे नियमों को मानकर उनके अनुसार करोगे।''

- यहेजकल 36:27

''और सिद्ध बनकर, अपने सब आज्ञा माननेवालों के लिये सदा काल के उद्धार का कारण हो गया।''

- इब्रानियों 5:9

''और पाप से छुड़ाए जाकर धर्म के दास हो गए।''

- रोमियों 6:18

''क्योंकि हम उसके बनाए हुए हैः और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिये सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहिले से हमारे करने के लिये तैयार किया।''

- इफिसियों 2:10

''और यदि मसीह तुम में है, तो देह पाप के कारण मरी हुई हैः परन्तु आत्मा धर्म के कारण जीवित है। क्योंकि यदि तुम शरीर के अनुसार दिन काटोगे, तो मरोगे, यदि आत्मा में देह की क्रियाओं को मारोगे, तो जीवित रहोगे।''

- रोमियों 8:10,13

''.......और जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह अधर्म से बचा रहे।''

- 2 तीमुथियुस 2:19

''तब पतरस और, और प्रेरितों ने उत्तर दिया, कि मनुष्यों की आज्ञा से बढ़कर परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना ही कर्तव्य कर्म है।''

- प्रेरितों के काम 5:29

संसार यीशु के अगुवों से घृणा करता है

''यदि संसार तुम से बैर रखता है, तो तुम जानते हो, कि उस ने तुम से पहिले मुझ से भी बैर रखा, यदि तुम संसार के होते, तो संसार अपनों से प्रीति रखता, परन्तु इस कारण कि तुम संसार के नहीं, बरन मैं ने तुम्हें संसार में से चुन लिया है इसी लिये संसार तुम से बैर रखता है।'' - यूहन्ना 15:18-19

''........कि जो कोई तुम्हें मार डालेगा वह समझेगा कि मैं परमेश्वर की सेवा करता हूं, और यह वे इसलिये करेंगे कि उन्हों ने न पिता को जाना है और न मुझे जानते है।'' - यूहन्ना 16:2,3

''देखो पिता ने हम से कैसा प्रेम किया है, कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएं, और हम है भीः इस कारण संसार हमें नहीं जानता, क्योंकि उस ने उसे भी नहीं जाना।'' - 1 यूहन्ना 3:1

''.......हमें बड़े क्लेश उठाकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना होगा।''

- प्रेरितों के काम 14:22

''पर जितने मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते है वे सब सताए जाएंग।''

- 2 तीमुथियुस 3:12

''..........संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढ़ाढ़स बांधो, मैं ने संसार को जीत लिया है।''

- यूहन्ना 16:33

''मैं ने तेरा वचन उन्हें पहुचा दिया है, और संसार ने उन से बैर किया, क्योंकि जैसा मैं संसार का नहीं, वैसे ही वे भी संसार के नहीं।''

- यूहन्ना 17:14

‘‘और अपनी सारी चिन्ता उसी पर डाल दो, क्योंकि उस को तुम्हारा ध्यान है।’’ - 1 पतरस 5ः7

‘‘मत डर, क्योंकि मैं तेरे संग हूं इधर उधर मत ताक, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूं, मैं तुझे दृढ़ करूंगा और तेरी सहायता करूंगा, अपने धर्ममय दहिने हाथ से मैं तुझे सम्हाले रहूंगा।’’ - यशायाह 41ः10

‘‘मेरे माता - पिता ने तो मुझे छोड़ दिया है, परन्तु यहोवा मुझे सम्भाल लेगा।’’

- भजन संहिता 27ः10

‘‘इसलिये हम बेधड़क होकर कहते है, कि प्रभु, मेरा सहायक हैः मैं न डरूंगाः मनुष्य मेरा क्या कर सकता है।’’ - इब्रानियों 13ः6

‘‘क्योंकि महिमा का आत्मा, जो परमेश्वर का आत्मा है, तुम पर छाया करता है।’’

- 1 पतरस 4ः14

‘‘क्योंकि वह अपने दूतों को तेरे निमित्त आज्ञा देगा, कि जहां कहीं तू जाए वे तेरी रक्षा करें।’’

- भजन संहिता 91ः11

‘‘चाहे मैं घोर अन्धकार से भरी हुई तराई में होकर चलूं, तौ भी हानि से न डरूंगाः क्योंकि तू मेरे साथ रहता हैः तेरे सोंटे और तेरी लाठी से मुझे शान्ति मिलती है।’’ - भजन संहिता 23ः4

‘‘जो मुझे सामर्थ देता है उस में मैं सब कुछ कर सकता हूं, और मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा।’’

- फिलिप्पियों 4ः13,19

पाप और शैतार पर विजय

''तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने से बाहर हैः और परमेश्वर सच्चा हैः वह तुम्हें सामर्थ से बाहर परीक्षा में पड़ने न देगा, बरन परीक्षा के साथ निकास भी करेगाः कि तुम सह सकों।''

- 1 कुरिन्थियों 10ः13

''इसलिये आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट हियाव बान्धकर चलें, कि हम पर दया हो, और वह अनुग्रह पाएं, जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करे।'' - इब्रानियों 4ः16

''पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैः और उसके पुत्र यीशु का लोहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।'' - 1 यूहन्ना 1ः7

''जवानी की अभिलाषाओं से भागः और जो शुद्ध मन से प्रभु का नाम लेते है, उन के साथ धर्म और विश्वास, और प्रेम, और मेल - मिलाप का पीछा कर।'' - 2 तीमुथियुस 2ः22

''ऐसे ही तुम भी अपने आप को पाप के लिये तो मरा, परन्तु परमेश्वर के लिये मसीह यीशु में जीवित समझो।'' - रोमियों 6ः11

''इसलिये परमेश्वर के आधीन हो जाओः और शैतान का साम्हना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा।'' - याकूब 4ः7

''मैं ने तेरे वचन को अपने हृदय में रख छोड़ा है, कि तेरे विरुद्ध पाप न करूं।'' - भजन संहिता 119ः11

''वह उस से जो संसार में है, बड़ा है।''

- 1 यूहन्ना 4ः4

''तू ने कहा है, कि मेरे दर्शन के खोजी हो, इसलिये मेरा मन तुझ से कहता है, कि है यहोवा, तेरे दर्शन का मैं खोजी रहूंगा। हे लोगों, हर समय उस पर भरोसा रखोः उस से अपने अपने मन की बातें खोलकर कहोः परमेश्वर हमारा शरणस्थान है।

- भजन संहिता 27ः8, 62ः8

''हे यहोवा मुझे चंगा कर, तब मैं चंगा हो जाऊंगाः मुझे बचा, तब मैं बच जाऊंगाः क्योंकि मैं तेरी ही स्तुति करता हूं।'' - यिर्मयाह 17ः14

''निरन्तर प्रार्थना में लगे रहो. हर बात में धन्यवाद करोः क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है।''- 1 थिस्सलुनीकियों 5ः17,18

''पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से मांगे, जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता हैः और उस को दी जाएगी।''

- याकूब 1ः5

''यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरी बातें तुम में बनी रहें तो जो चाहो मांगो और वह तुम्हारे लिये हो जाएगा।'' - यहून्ना 15ः7

''मैं यहोवा के पास गया, तब उस ने मेरी सुन ली, और मुझे पूरी रीति से निर्भय किया।''

- भजन संहिता 34ः4

''यदि मैं मन में अनर्थ बात सोचता तो प्रभु मेरी न सुनता. हे यहोवा अपने नाम के निमित्त मेरे अधर्म को जो बहुत है क्षमा कर।'' - भजन संहिता 66ः18, 25ः11

''.......परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और बिनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएं।''-फिलिप्पियों 4ः6

यीशु आ रहा है - तैयार रहो

''क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगाः उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूकी जाएगी, और जो मसीह में मरे है, वे पहिले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उन के साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे, कि हवा में प्रभु से मिलें, और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे''

- 1 थिस्सलुनीकियों 4:16,17

''सो हे प्यारो जब कि ये प्रतिज्ञाए हमें मिली है, तो आओ, हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सब मलिनता से शुद्ध करें, और परमेश्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें''

- 2 कुरिन्थियों 7:1

''निदान, हे बालको, उस में बने रहोः कि जब वह प्रगट हो, तो हमें हियाव हो, और हम उसके आने पर उसके साम्हनें लज्जित न हों।''

- 1 यूहन्ना 2:28

''तुम भी धीरज धरो, और अपने हृदय को दृढ़ करो, क्योंकि प्रभु का शुभागमन निकट है। हे भाइयो, एक दूसरे पर दोष न लगाओ ताकि तुम दोषी न ठहरो, देखो, हाकिम द्वार पर खड़ा है। ''

- याकूब 5:8,9

''तुम भी तैयार रहोः क्योंकि जिस घड़ी तुम सोचते भी नहीं, उस घड़ी मनुष्य का पुत्र आ जावेगा।''

- लूका 12:40

परमेश्वर की आत्मा में भरें

"तुम मेरी डांट सुनकर मन फिराओ; सुनो, मैं अपनी आत्मा तुम्हारे लिय उण्डेल दूंगी; मैं तुम को अपने वचन बताऊंगी."

-नीतिवचन 1:23

"....मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ल; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे." -प्रेरितों के काम 2:38

"और दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इस से लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ. और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो, और अपने अपने मन में प्रभु के साम्हने गाते और कीर्त्तन करते रहो. और सदा सब बातों के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो. और मसीह के भय से एक दूसरे के आधीन रहो."

-इफिसियों 5:18:21

"क्योंकि परमेश्वर ही है, जिस ने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला."

-फिलिप्पियों 2:13

"क्या तुम नहीं जानते, कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है? क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो." -1 कुरिन्थियों 3:16; 6:20

"....और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन हियवा से सुनाते रहे."

-प्रेरितों के काम 4:31

Read booklets online or by App
www.wmp-readonline.org

www.wmpress.org
5-21
1572 Hindi HKG